

मौखिक30 13

क- पंडित शादीराम ने लाला सदानंद से कर्ज लिया था।

ख- लाला सदानंद ने पत्रिकाएँ देखकर उन्हें सुझाव दिया कि इनमें से अच्छे-अच्छे चित्र निकालकर एक एलबम बनाएँ और चित्रों के शौकीन किसी व्यक्ति को बेचकर पैसे कमाएँ।

ग- इस कथन से मानव-स्वभाव की प्राप्य से संतुष्ट न होने की इच्छा प्रकट होती है। यहाँ मनुष्य की लालची प्रवृत्ति तथा असंतोष की भावना उजागर होती है।

घ- पंडित शादीराम ने चित्रों की एलबम बनाकर बेची। उससे प्राप्त रुपयों से उन्होंने अपना कर्ज चुकाया।

लिखित

क -> गरीबी के कारण ज़रूरतें पूरी करने के लिए पंडित शादीराम को यजमानों से पैसा उधार लेना पड़ता था। इस दशा में प्रत्येक पैसा उनके लिए मोहर जितना ही मूल्यवान था।

ख -> (i) आशय स्पष्टीकरण -

लाला सदानंद ने पंडित शादीराम को पाँच सौ रुपए दिए थे जिन्हें पंडित जी बहुत समय तक लौटा नहीं पाए। लाला सदानंद ने वे पैसे कभी माँगे भी नहीं। उनकी इस सज्जनता एवं भले स्वभाव से पंडित जी दबे जा रहे थे और कभी आँख उठाकर बात नहीं कर पाते थे।

(ii) पंडित जी सब तरह से प्रयत्न कर चुके थे कि उधार लिया रुपया लौटा दें पर अचानक कुछ ऐसा घट जाता

कि इकट्ठा किया रुपया खर्च हो जाता। पंडित जी अब बिलकुल निराश हो चुके थे। वे सोच रहे थे कि जीवनभर सदानंद जी का पैसा नहीं लौटा पाएँगे।

ii) पंडित जी दिनभर सोचते रहते कि अग्री विज्ञापन के उत्तर में एलबम खरीदने की चिट्ठी आती ही होगी। जिस प्रकार दिन में सड़क पर लोगों के चलने के कारण उड़ने-वाली धूल रात को नीचे बैठ जाती है उसी प्रकार की ई चिट्ठी न आने पर रात को पंडित जी निराश हो जाते कि एलबम कोई नहीं लेगा।

iv) पंडित जी ने लाला सदानंद से कहा कि आज मुझे ऋण का भार उतार लेने दीजिए। मेरे हाथ में पैसे आ गए हैं और मैं आपको ये रुपए अवश्य दूंगा जिससे हलका महसूस करूँ।

ब → 'लाला जी की उदारता', 'उधार का बोझ', आदि।

# अभ्यास

श्रुतलेख

ऋण, हृदय, बरछियाँ, विवशता, भलमनसी, रद्दी, विज्ञापन, प्रतीक्षा, रजिस्ट्री, किरकिरी, सज्जनता, ब्राह्मण, गजब, चिरंजीवी, भगवद्गीता

## पाठ से...

### मौखिक

- क. पंडित शादीराम ने किससे कर्ज लिया था ?  
ख. लाला सदानंद ने पत्रिकाएँ देखकर उन्हें क्या सुझाव दिया ?  
ग. 'अगर दो हजार लिख देता तो शायद उतने ही मिल जाते' —  
इस कथन से मानव-स्वभाव की कौन-सी विशेषता उजागर होती है ?  
घ. पंडित शादीराम ने अपना कर्ज कैसे चुकाया ?

उद्देश्य:- Oral Expression

- recall
- description

### लिखित

- क. पंडित शादीराम के लिए एक-एक पैसा मोहर जैसा क्यों था ?  
ख. निम्नलिखित पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए —  
i. लाला सदानंद की भलमनसी के सामने वे आँख न उठा पाते थे।  
ii. घोर निराशा ने सभी द्वार बंद कर दिए थे।  
iii. रात को आशा, सड़क की धूल की तरह बैठ जाती थी।  
iv. मुझे आज हलका होने दीजिए।  
ग. इस कहानी के लिए कोई अन्य शीर्षक लिखिए।

उद्देश्य:- Written Expression

- reasoning
- connotation
- शीर्षक

M.I.- intrapersonal

वाक्यों को कहानी के घटनाक्रम के अनुसार लगाइए—

• sequencing

- क. लाला सदानंद ने समाचार पत्रों में विज्ञापन दे दिया। (3)  
ख. पंडित शादीराम ने दिनभर बैठकर तसवीरें छाँटी। (2)  
ग. पंडित शादीराम को लाला सदानंद के पाँच सौ रुपए देने थे। (1)  
घ. लिफ्राफ़े में सौ-सौ के नोट थे। (5)

- ड. एक मारवाड़ी सेठ ने एलबम गंगवाने के लिए पत्र लिखा।  
 च. लाला सदानंद ने स्वयं एलबम खरीद ली थी।  
 छ. पंडित जी को लाला सदानंद के सिरहाने कोई चुभती चीज़ जान पड़ी।

५

७

६

• सोचकर लिखिए—

एक-दूसरे की भावनाओं का आदर करने के क्या लाभ हैं?

Values • humanity  
• self-respect

भाषा अे...

1. निम्नलिखित शब्दों को ध्यान से पढ़िए—

शरीर + इक	— शारीरिक	उद्योग + इक	— औद्योगिक
विज्ञान + इक	— वैज्ञानिक	लोक + इक	— लौकिक

इक प्रत्यय लगाने पर पहले स्वर में परिवर्तन हो जाता है—  
 अ/आ—आ; इ/ई—ऐ; उ/ऊ/ओ—औ

• suffix

• नीचे दिए गए शब्दों में 'इक' प्रत्यय लगाकर लिखिए—

मास	— मासिक	विचार	— वैचारिक
सप्ताह	— साप्ताहिक	दिन	— दैनिक
समाज	— सामाजिक	नीति	— नैतिक
वर्ष	— वार्षिक	इतिहास	— ऐतिहासिक

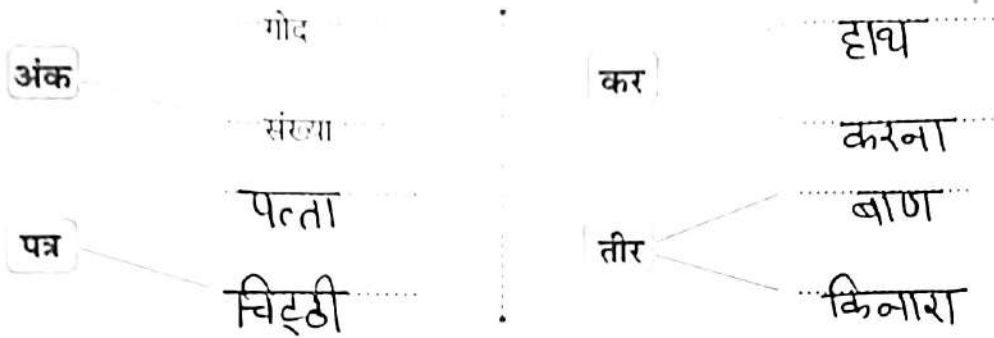
2. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर खाली स्थान में भरिए—

- क. बड़े भाई को पढ़ने का ...शौक... था।  
 ...शौक... की बात है कि अब भाई साहब नहीं रहे। (शोक/शौक)
- ख. सदानंद ने पंडित जी को ...शॉल... भेंट की।  
 इस ...साल... सरदी बहुत पड़ी थी। (साल/शॉल)
- ग. सदानंद की ...स्त्री... दूध लेने दौड़ी।  
 गरम ...इस्तरी... से कपड़े जल गए। (इस्तरी/स्त्री)
- घ. यजमान को ...जूठा... कहना उचित न था।  
 नौकर ने ...जूठा... भोजन कुत्ते को दे दिया। (जूठा/झूठा)

• समश्रुत भिन्नार्थक शब्द

3. नीचे लिखे शब्दों के दो-दो अर्थ लिखाए—

• अनेकार्थी



4. गुनगुनाइए—

क्या मैं और क्या तेरा, मेरा  
इसका, उसका, जिसका, किसका  
ये, वे, हम और तुम  
सर्वनाम जहाँ, वहाँ संज्ञा चुप।

• pronoun

जैसे—शादीराम ने पैसा-पैसा बचाकर अस्सी रुपए जोड़ लिए। शादीराम को लाला सदानंद के पाँच सौ रुपए देने थे। शादीराम का लड़का लगातार चार महीने बीमार रहा था।

इन पंक्तियों में बार-बार संज्ञा शब्द शादीराम का उल्लेख हो रहा है। बार-बार संज्ञा शब्द का प्रयोग भाषा को अटपटा बना देता है। अतः हम इन वाक्यों को इस प्रकार लिख सकते हैं—शादीराम ने पैसा-पैसा बचाकर अस्सी रुपए जोड़ लिए। उन्हें लाला सदानंद के पाँच सौ रुपए देने थे। उनका लड़का लगातार चार महीने बीमार रहा था। इस प्रकार एक बार संज्ञा का प्रयोग करने के बाद सर्वनामों का प्रयोग किया गया है।

संज्ञा के स्थान पर आनेवाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं।

● नीचे लिखे वाक्यों में सर्वनाम शब्द रेखांकित कीजिए—

- |                                       |   |
|---------------------------------------|---|
| i. वे गरीब थे परंतु दिल के बुरे न थे। | iii. ये चित्रकला के बढ़िया नमूने हैं।         |
| ii. मैं इनकी एलबम बनाऊँगा।            | iv. कुछ दिन बाद उन्हें जवाब में एक बीमा मिला। |

5. दिए गए विशेषण शब्दों के लिए उपयुक्त विशेष्य लिखिए—

• adjective  
• noun

विशेषण	विशेष्य	विशेषण	विशेष्य
पुरानी	...पत्रिकाएँ...	रंगीन	...चित्र...
चार	...बालक...	ठंडी	...जमीन...
सारा	...दिन...	मासिक	...पत्रिका...
गरीब	...लकड़हारा...	सख्त	...संज्ञा...

SHOT ON REDMI NOTE 5 PRO  
MI DUAL CAMERA

